GURUDEV SRI SRI RAVI SHANKAR

आदरणीय महोदय,

आपको हार्दिक अभिवादन|

आपको विदित है कि गंगा जमुनी तहज़ीब वाली भारत की पुण्य धरती में बाबरी मस्जिद का मुद्दा कांटे की तरह 500 साल से चुभता आ रहा है| यह केवल धार्मिक ही नहीं राजनैतिक विषय भी बन चुका है| इसके कारण दोनों समुदायों के बीच वैमनस्य बढ़ता रहा है| दोनों समुदायों को पास लाने का और आपस में सौहार्द को घनिष्ठ करने का अब ये एक अनूठा मौका है| ऐसा मौका फिर मिलना कठिन है|

जैसे एक ओर 100 करोड़ हिन्दुओं के लिए राम मंदिर एक बहुत भावात्मक विषय है उसी तरह दूसरी ओर मुसलामानों के सम्मान और आदर का ध्यान रखना भी बहुत आवश्यक है| कई वर्षों से दोनों पक्ष कह रहे हैं कि हम ज़िम्मेदारी लेने को तैयार नहीं हैं और उन्होंने कोर्ट के ऊपर अपना दायित्व सौंप दिया है| यदि हम कोर्ट से मिलने वाले निर्णय की सब संभावनाओं पर विचार करें तो जो भी निर्णय होगा, उससे किसी एक पक्ष को आघात होगा और दूसरा पक्ष जश्न मनाएगा| ऐसा होने से दोनों समुदायों के बीच में दरार गहरी होने की संभावना स्पष्ट दिखती है| दोनों समुदायों के बीच सद्भावना उत्पन्न करने का काम बहुत आवश्यक है और ये हम सबको मिलकर करना होगा| यदि इस मामले पर कोर्ट ही निर्णय देती है तो दोनों समुदाय भाईचारे के एक ऐतिहासिक आदर्श को सामने लाने का सुनहरा अवसर चूक जाएंगे| पर यदि ये मसला हम परस्पर विश्वास और मैत्री के द्वारा कोर्ट के बाहर सुलझा लेते हैं तो इस प्रेरणादायक आदर्श को पीढ़ियां याद रखेंगी|

GURUDEV SRI SRI RAVI SHANKAR

कई लोगों को यह भय होता है कि यदि हम दोनों पक्षों के प्रति संवेदना रखें तो अपने पक्ष के लोग हमारे ऊपर लांछन न लगा दें| ऐसी आलोचना और विरोध का कोई महत्त्व नहीं है, बल्कि मैं देख रहा हूँ कि इस काम को आगे बढ़ाने वाले दोनों समुदायों के अग्रणियों को बहुत बड़ा सम्मान प्राप्त होगा| ख़ास कर मुस्लिम समुदाय के जो व्यक्ति इसके लिए आगे आएंगे, उनके बड़प्पन की दुनिया भर में लोग प्रशंसा करेंगे| जैसे ही मुस्लिम समुदाय यह ज़मीन हिन्दुओं को उपहार के रूप में देने के लिए तैयार होगा, हिन्दू समुदाय भी मस्जिद के लिए ज़मीन देने मात्र के लिए ही नहीं, मस्जिद बनाने के लिए कार्य सेवा करने के लिए भी लोगों को तैयार करेगा|

दोनों पक्ष में कुछ लोग हैं जो इस झगड़े को बनाए रखना चाहते हैं| आप इस बात की चिंता न करें कि ऐसे लोग क्या सोचेंगे| हमारा आपसे अनुरोध है कि हम सब लोग जो समाज के मार्गदर्शक हैं, अच्छे विचारों वाले लोग हैं, हम आगे बढ़ें और सक्रिय हो जाएं, जिससे देश ही नहीं पूरी दुनिया में यह सराहनीय निदर्शन स्थापित हो जाए| कोई न कोई लोग कुछ न कुछ कहते ही रहेंगे मगर बहुसंख्यक समुदाय के लोगों में एक भरोसा आ जाएगा कि उनकी इच्छाओं की क़दर की गई| इस बात का दृष्टांत हो जाएगा कि सच में संवेदनशीलता है, सच में प्यार है| हाल की परिस्थिति में जब गैर मुस्लिम समुदाय के लोगों में ऐसा भाव दृढ़ हो गया है कि मुसलमान कभी मंदिर के लिए जगह नहीं देंगे, इस धारणा को गलत साबित करने का ये सुअवसर है|

यदि वे 15 आवेदक कोर्ट में ज़मीन पर अपना हक़ छोड़ने का ब्यौरा दे देते हैं, तो इससे यह काम शीघ्रातिशीघ्र हो जाएगा | ऐसा होने पर मुस्लिम समुदाय का कद बहुत ऊंचा हो

GURUDEV SRI SRI RAVI SHANKAR

जाएगा| इस देश में हज़ारों वृद्ध महात्मा हैं जिनके जीवन का सपना है कि अपने जीवन काल में वो राम मंदिर देख पाएं| उन सबकी दुआ आपको मिलेगी और दुनिया के सामने एक ऐतिहासिक निदर्शन खड़ा हो जाएगा कि भाईचारा और प्रेम सबसे महत्त्वपूर्ण है|

इस दृष्टिकोण से हम आपसे अनुरोध करते हैं कि आप देश और दुनिया के लिए यह महत्त्वपूर्ण कार्य संपूर्ण करने के लिए कदम उठाएं|

Sri Sri Ravi Shankar

गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर

Dr. M. Manzoor Alam
Chairman, Institute of Objective Studies.
New Delhi